ost their lives and 1260 jhuggis were destroyed. The Government of NCT of Delhi provided relief at the rate of Rs. 500/- per jhuggi to the victims who are having ration cards. In case of death a sum of Rs. 20,000/- as exgratia relief is given in the case of the deceased being a major and Rs. 10,000/- in case of minor. An amount of Rs. 60.7 lakhs were disbursed from April, 1993 to March, 1994.

(c) The fire safety measures are ensured as per the Building Bye-laws. 1983 for all the buildings and fire safety provisions prescribed in the Delhi Fire Prevention & Fire Safety Act, 1986 and Rules framed thereunder, 1987 are also being ensured. For creating awareness amongst the residents of jhuggi-jhopri cslonies in regard to fire safety, the Delhi Fire Service have distributed pamphlets containing fire preventive initructions and have also carried out demonstrations.

उत्तर प्रदेश विधान सभा द्वारा उत्तरांचल राज्य के लिए पारित किया गया संकल्प

5707. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय :** क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उत्तर प्रदेश विधान सभा द्वारा राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों के लिए पृथक उत्तरांचल अथवा उत्तराखण्ड राज्य के गठन हेतु कोई संकल्प पारित कर केन्द्रीय सरकार को भेजा गया है ;

(ख) यदि हां, तो कब और उक्त सकल्प का ब्यौरा क्या है ; और

(ग) उक्त संकल्प पर केन्द्रीय सरकार की क्या प्रतिक्रिया है

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी. एम. सईद) (क) से (ग) दिसम्बर, 1991 में, उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य विधान सभा द्वारा दिनांक 12-8-91 को पारित एक प्रस्ताव की एक प्रति भेजी थी जिसमें केन्द्र सरकार से उत्तर प्रदेश के कुमाऊ और गढ़वाल डिवीजनो के आठ पर्वतीय जिलों- उत्तरकाशी, चमोली, पौड़ी गढ़वाल, टिहरी गढ़वाल, नैनीताल, पिथौरागढ़, अलमौड़ा और देहरादून को मिलाकर उत्तरांचल नामक एक अलग राज्य की स्थापना करने का अनुरोध किया गया था। प्रस्ताव की प्रारंभिक जांच के बाद राज्य सरकार से, संबंधित आठ पर्वतीय जिलों की वित्तीय रूपरेखा, प्रशासनिक विकासीय और रख-रखाव शीर्षों के अधीन ब्यौरों के संबंध में सूचना भेजने का अनुरोध किया गया था। तथापि, उन्होंने यह सूचना भेजने में असमर्थता व्यक्त की है। वर्तमान राज्य सरकार, जिसने दिसम्बर, 1993 में अपना कार्य-भार संभाला है, ने अभी तक मामले को औपचारिक रूप से नहीं उठाया है।

Statement of Home Minister on Attitude of Kashmiris

5708. SHRI O.P. KOHLI: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether the attention of Government has been drawn to the Union Home Minister's statement made on 10th April, 1994 that 'there is a perceptible change in the attitude of Kashmiris who are neither in favour of merger with Pakistan nor interested in an independent Kashmir; and

(b) if so, the reasons which have prompted the Home Minister to come to this conclusion?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI RAJESH PILOT): (a) and (b) The Government believes that there is a perceptible change in the attitude of the 'people in Jammu and Kashmir who are disillusioned and fed-up with the violence and the activities of the militants and their mentors across the border,. Despite serious ideological differences among various groups, and a feeling of allenations/dissatisfaction among sec-